बेतवा नदी में दाह संस्कार से बढ़ रहा प्रदूषण

खास बातें

- प्रशासन लगाए रोक, बेतवा नदी बचाओ अभियान समिति
- नदी की पवित्रता और स्वच्छता बनाए रखने के लिए श्मशान घाट के उपयोग की अपील
- जनजागरुकता पर दिया जोर

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 14 जून, बेतवा नदी बचाओ अभियान समिति ने बेतवा नदी में हो रहे प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से नदी के भीतर दाह संस्कार पर रोक लगाने की मांग की है. समिति का कहना है कि जीवनदायिनी मां बेत्रवती की दुर्दशा के लिए काफी हद तक नागरिकों की लापरवाही जिम्मेदार है.

समिति के अनुसार नगर में बेतवा नदी के ऊपर श्मशान घाट की व्यवस्था होने के बावजूद कई लोग नदी के भीतर ही दाह संस्कार कर रहे हैं। इससे राख, कपड़े तथा अन्य सामग्री सीधे नदी में प्रवाहित हो जाती है, जिससे जल प्रदूषित हो रहा है। इसके अलावा मंदिरों से निकलने वाली पूजन सामग्री भी बड़ी मात्रा में नदी में डाली जा रही है, जिससे प्रदूषण की समस्या और बढ़ रही है.

तकनीकी सर्वे और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता पर उठे प्रश्न

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नदी के किस हिस्से में गहरीकरण और कहां चौड़ीकरण की आवश्यकता है, इसका पहले तकनीकी सर्वे कराया जाना चाहिए था. इंजीनियरों द्वारा विस्तृत जांच-पड़ताल और विशेषज्ञों की राय के बाद कार्य योजना तैयार होती तो उसका लाभ अधिक मिलता.साथ ही यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि इस तरह की योजनाओं में जनप्रतिनिधियों, विशेषकर पार्षदों को पर्याप्त जानकारी नहीं दी जाती और न ही उन्हें विश्वास में लिया जाता है.इससे योजना के क्रियान्वयन को लेकर पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

पार्षदों को भी नहीं दी गई जानकारी

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका परिषद के कई पार्षदों को भी इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई. उनका कहना है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लिया जाना चाहिए और उन्हें योजनाओं की प्रगति तथा खर्च की जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए.नागरिकों का कहना है कि यदि नदी की सफाई और कायाकल्प पर व्यापक स्तर पर कार्य हुआ है तो उसके परिणाम भी दिखाई देने चाहिए. पाराशरी पुल के आसपास की स्थिति को देखकर लोग सवाल उठा रहे हैं कि किए गए कार्यों का वास्तविक प्रभाव कितना रहा और निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति किस हद तक हुई.स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि पाराशरी नदी कायाकल्प अभियान के तहत प्राप्त अनुदान, खर्च की गई राशि, किए गए कार्यों और भविष्य की कार्ययोजना का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक किया जाए. उनका मानना है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा.लोगों का कहना है कि नदी संरक्षण और सौंदर्यीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में जनभागीदारी और जवाबदेही दोनों आवश्यक हैं, तभी ऐसे अभियान अपने उद्देश्य में सफल हो सकेंगे.

शांति वन श्मशान घाट के उपयोग की अपील

बेतवा नदी बचाओ अभियान समिति के सदस्यों ने नागरिकों से अपील की है कि वे पाराशरी नदी के समीप बने शांति वन श्मशान घाट में ही दाह संस्कार करें.उनका कहना है कि इससे बेतवा नदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने में मदद मिलेगी.समिति ने बताया कि बेतवा नदी का पानी पूरे शहर के लिए पेयजल का प्रमुख स्रोत है. धार्मिक दृष्टि से भी इसका विशेष महत्व है, क्योंकि भगवान भोलेनाथ और मां जगदंबा को अर्पित किया जाने वाला जल भी इसी नदी से लिया जाता है.ऐसे में इसकी पवित्रता और स्वच्छता बनाए रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है.समिति ने इस विषय पर एक व्यापक बैठक आयोजित करने की मांग की है, जिसमें जनप्रतिनिधि, पुजारी संघ, सामाजिक संगठन और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हों। उनका मानना है कि सामूहिक प्रयासों और जनजागरूकता से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है.

पारदर्शिता और दीर्घकालिक योजना की जरूरत

स्थानीय लोगों का मानना है कि पाराशरी नदी के संरक्षण और विकास के लिए दीर्घकालिक एवं वैज्ञानिक योजना बनाई जानी चाहिए. साथ ही सभी संबंधित पक्षों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को विश्वास में लेकर कार्य किए जाएं, ताकि नदी संरक्षण के प्रयास अधिक प्रभावी और परिणामकारी साबित हो सकें.

बरसात से पहले ही क्यों आई पाराशरी नदी के कायाकल्प की याद?

पाराशरी नदी के चौड़ीकरण एवं गहरीकरण कार्य को लेकर नगर में सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात शुरू होने से ठीक पहले इस तरह के कार्य प्रारंभ करने का औचित्य समझ से परे है, जबकि ऐसे कार्यों के लिए गर्मी का मौसम सबसे उपयुक्त माना जाता है. गरवासियों का मानना है कि यदि नदी के कायाकल्प की योजना गर्मी के दिनों में बनाई जाती और समय रहते कार्य शुरू कर दिया जाता, तो बेहतर परिणाम सामने आते. अब वर्षा ऋतु के आगमन के साथ आशंका जताई जा रही है कि कार्य अधूरा रह सकता है और बारिश शुरू होते ही काम बंद करना पड़ सकता है.

पुलिस और प्रशासन की सख्ती जरूरी

समिति का कहना है कि पुलिस और प्रशासन भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं.यदि नदी के भीतर दाह संस्कार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और आवश्यक नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, तो स्थिति में काफी सुधार आ सकता है.समिति ने यह भी सुझाव दिया कि कथा वाचक और धर्मगुरु अपने प्रवचनों में बेतवा नदी संरक्षण का संदेश दें और लोगों को नदी को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करें। समिति का कहना है कि बेतवा नदी को बचाना केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि धार्मिक और सामाजिक दायित्व भी है.उन्होंने कहा कि अनेक जागरूक नागरिक प्रतिदिन बेतवा नदी तट पर सफाई अभियान चलाते हैं, लेकिन जनसहयोग के अभाव में गंदगी कम होने का नाम नहीं ले रही है. इसलिए सभी नागरिकों को मिलकर इस जीवनदायिनी नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए आगे आना होगा.

पिछले वर्षों में हुए खर्च का मांगा गया हिसाब

नागरिकों ने यह भी मांग उठाई है कि पिछले चार वर्षों में पाराशरी नदी के कायाकल्प, सफाई, गहरीकरण और अन्य विकास कार्यों पर कितनी राशि खर्च हुई है, इसकी सार्वजनिक जानकारी दी जानी चाहिए.उनका कहना है कि पाराशरी नदी पुल के पास आयोजित बैठक के दौरान जनसहयोग से चंदा भी एकत्रित किया गया था.उस समय विभिन्न सामाजिक संगठनों, विशेषकर पंचतत्व संस्था द्वारा अभियान का संचालन किया गया था. अब नागरिक जानना चाहते हैं कि एकत्रित राशि का उपयोग किन कार्यों में किया गया.

केंद्रीय मंत्री के श्रमदान और घोषणा के बाद भी पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह

पाराशरी नदी के सौंदर्यीकरण एवं कायाकल्प अभियान को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पाराशरी-पचमा रोड स्थित पुल पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल स्वयं पहुंचे थे और नदी के कायाकल्प के लिए मिट्टी की तगाड़ी उठाकर श्रमदान भी किया था. इसी दौरान भूमि पूजन किया गया तथा नदी के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि की घोषणा भी की गई थी.नागरिकों का कहना है कि बाद में यह राशि नगर पालिका परिषद को उपलब्ध भी कराई गई, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया कि कुल कितनी राशि प्राप्त हुई और उसमें से कितनी राशि खर्च की गई. पाराशरी नदी कायाकल्प अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों और व्यय का विवरण सार्वजनिक नहीं होने से लोगों में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं.

तेज हवाओं के साथ गिरीं बौछारें

- बारिश के बाद तापमान में आई गिरावट
- खेती के कार्य में लगे किसान

नवभारत न्यूज

सिरोंज 14 जून, सिरोंज में रविवार को दोपहर में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई. जिससे सड़के तरबतर हो गई. बारिश के बाद तापमान में भी गिरावट आई. वहीं कई जगह तेज हवाओं के कारण टीन शेड भी उड़ गए. तेज हवाओं से सिरोंज बासौदा रोड पर एक लोहे का यात्री प्रतीक्षालय भी गिरा गया. बारिश के बाद किसान भी अब खेती के कार्य में लग गए हैं.

क्षेत्र में बीते दिनों गर्मी एवं उमस का दौर जारी रहा. भीषण गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल रहा. इस दौरान कई बार आसमान में तेज धूप निकलती दिखाई दी, तो कई बार आसमान में बादल छाये दिखे. क्षेत्र में रविवार को दिन में आसमान में बादलों का डेरा रहा. जिसके बाद दोपहर में बादलों ने झमाझम बारिश की.

इस दौरान तेज हवाएं भी चली. बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया तथा तापमान में गिरावट आ गई. जिससे लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की. बारिश के बाद लोगों ने राहत की सांस ली. लोगों को अब बारिश का मौसम शुरू होने के साथ ही अच्छी बारिश का इंतजार है.

बारिश के बाद क्षेत्र में किसान अब खेती के कार्य में लग गए हैं. किसान खेतों में हकाई जुताई करने के साथ बोवनी की तैयारी कर रहे है. किसान राजेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि बारिश के बाद किसान खेती के कार्य लगे हुए हैं. कई जगह किसान खेतों में हकाई जुताई के कार्य में लग जावेंगे. जिन जगह बारिश अच्छी हो गई है. वहां किसान आगामी दिनों में मक्का आदि की बोवनी शुरू कर देंगे. हालांकि कुछ जगह अभी कम बारिश होने से बोवनी के लिए ओर पानी की जरूरत है. प्लाऊ वाले खेतों के लिए अभी ओर पानी की जरूरत है.

किसान संतोष रघुवंशी ने बताया कि बारिश के बाद अब किसान खेतों में हकाई जुताई कार्य में लग जावेंगे. जिन जगह अच्छी बारिश हुई है, वहां पर किसान मक्का की बोवनी की तैयारी में लग गए है. हालांकि प्लाऊ वाली जमीन में बोवनी के लिए अभी ओर पानी की जरूरत है.

सांसद और विधायक ने किया प्रबुद्धजनों से संवाद

नवभारत न्यूज

कुरवाई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत शनिवार को सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े, जिला भाजपा अध्यक्ष महाराज सिंह दांगी एवं विधायक हरि सिंह सप्रे ने कुरवाई में विभिन्न प्रबुद्धजनों से भेंट कर संवाद किया.कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी महेंद्र जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता राजमल जैन एवं अन्य अधिवक्ताओं से मुलाकात कर विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की. इसके बाद राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक प्रमोद चौहान से भेंट कर शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की गई.सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है.

शहर वाचनालय में शहीद क्रांतिकारियों को किया याद

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, शहर वाचनालय पाठक संघ के तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया. कार्यक्रम में वक्ताओं ने शहीदों के त्याग, बलिदान और राष्ट्रभक्ति पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया.इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले ने कहा कि पंडित रामप्रसाद बिस्मिल भारत के महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनका जन्म 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में हुआ था. वक्ताओं ने बताया कि ठाकुर रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खान भी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख क्रांतिकारी थे. कैलाश नामदेव एवं ओमप्रकाश साहू ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश इन तीनों क्रांतिकारियों की शहादत को कभी नहीं भूल सकता. उन्होंने काकोरी कांड का उल्लेख करते हुए बताया कि 9 अगस्त 1925 को काकोरी के पास सरकारी खजाना लूटा गया था.

6 और 7 साल से फरार दो स्थायी वारंटी गिरफ्तार

- जमानत पर छूटने के बाद वर्षों से थे फरार
- घेराबंदी कर पुलिस ने दबोचा

नवभारत न्यूज

कुरवाई. पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिले में फरार आरोपियों और स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कुरवाई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने पिछले 6 और 7 वर्षों से फरार चल रहे दो स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है.

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे तथा एसडीओपी रोशनी ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक आर.के. मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की.पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अशोक पारदी (42 वर्ष) निवासी ग्राम रूसिया के खिलाफ वर्ष 2017 में मारपीट एवं गाली-गलौज का प्रकरण (अपराध क्रमांक 318/2017, धारा 294, 323, 506, 34 भादवि) दर्ज किया गया था. जमानत मिलने के बाद से वह न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था. इसके चलते वर्ष 2019 में उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया गया था.वहीं जयसिंह पारदी निवासी ग्राम रूसिया के विरुद्ध वर्ष 2020 में चोरी (अपराध क्रमांक 17/2020, धारा 379 भादवि) का मामला दर्ज हुआ था. जमानत पर रिहा होने के बाद वह भी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ, जिसके कारण उसके खिलाफ वर्ष 2020 में स्थायी वारंट जारी किया गया था.न्यायालय द्वारा जारी वारंटों की तामीली के लिए कुरवाई पुलिस लगातार दोनों आरोपियों की तलाश कर रही थी. पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाश अभियान चलाया और घेराबंदी कर दोनों फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया.इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक आर.के. मिश्रा, उप निरीक्षक रघुपति यादव, प्रधान आरक्षक भानु प्रताप, प्रधान आरक्षक सुनील वघेल, आरक्षक महेन्द्र लोधी, आरक्षक गोपाल तथा सैनिक ओमप्रकाश दुबे की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही. पुलिस अधिकारियों ने टीम की सफलता पर उन्हें बधाई दी है.

सिरसवास में मनाया गया बावड़ी उत्सव

नवभारत न्यूज

सिरोंज, जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सिरोंज तहसील के देवपुर सेक्टर स्थित ग्राम सिरसवास में बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया. उत्सव के दौरान ग्रामीणों और श्रमदानियों ने बावड़ी की साफ-सफाई कर उसके संरक्षण का संदेश दिया. इसके पश्चात बावड़ी पूजन किया गया तथा रंगोली बनाकर और दीपों से सजाकर जल स्रोत के प्रति सम्मान प्रकट किया गया. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मां गंगा की आरती उतारी और जल संरक्षण का संकल्प लिया. कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था कचनारिया ग्राम विकास शिक्षण समिति, सिरोंज एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से किया गया. श्रमदान कार्य में ग्राम अबुआढाना, सब्दलपुर, पिपरिया और सिरसवास की सहयोगी समितियों ने भागीदारी निभाई. स्थानीय ग्रामीणों ने भी उत्साह पूर्वक सहभागिता की. आयोजन के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण और सामुदायिक जागरूकता का संदेश दिया गया.

खबर का हुआ असर, विस्थापितों की समस्याओं पर हरकत में आया विभाग

- जल संसाधन विभाग ने लिया संज्ञान
- पुनर्वास कॉलोनी में प्लांट फिलिंग का कार्य शुरू

नवभारत न्यूज

पठारी. हनोता डैम निर्माण से प्रभावित विस्थापित परिवारों की समस्याओं को लेकर प्रकाशित समाचार का असर देखने को मिला है. जल संसाधन विभाग की हनोता सिंचाई परियोजना ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है. विभाग द्वारा विस्थापित कॉलोनी में लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय पहल की जा रही है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार हनोता डैम निर्माण से प्रभावित विस्थापित कॉलोनी के ग्रामीणों ने कॉलोनी में व्याप्त अनियमितताओं और विभिन्न समस्याओं को लेकर 9 जून को तहसीलदार अभिषेक पांडे को ज्ञापन सौंपा था. ग्रामीणों ने प्रशासन को अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की थी.ग्रामीणों की शिकायतों को समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद तहसीलदार अभिषेक पांडे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे. साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए सात दिन की समय-सीमा भी निर्धारित की गई थी.

अधिकारियों ने किया मौके का निरीक्षण

प्रशासनिक पहल के बाद जल संसाधन विभाग की हनोता सिंचाई परियोजना के अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गोंडखेड़ी स्थित विस्थापित पुनर्वास कॉलोनी का निरीक्षण किया. अधिकारियों ने ग्रामीणों द्वारा उठाई गई समस्याओं की जानकारी लेकर उनके निराकरण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य प्रारंभ कराया.

तेजी से चल रहा सुधार कार्य

विभाग द्वारा पुनर्वास कॉलोनी में प्लांट फिलिंग का कार्य तेज गति से शुरू कर दिया गया है. साथ ही राजस्व विभाग के सहयोग से आवश्यक सुधार एवं पूरक कार्यों को भी गति दी जा रही है. विभागीय अमला लगातार क्षेत्र में मौजूद रहकर कार्यों की निगरानी कर रहा है, ताकि विस्थापित परिवारों की समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके.ग्रामीणों ने प्रशासन और विभाग द्वारा शुरू की गई कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि उनकी लंबित समस्याओं का जल्द ही पूर्ण निराकरण होगा.

आयोजन | **502 आवेदनों का संबंधित विभागों ने किया निराकरण, हितग्राहियों को वितरित किए स्वीकृति पत्रक**

तीन दिवसीय शिविर में 1056 आवेदकों ने दिए आवेदन

नवभारत न्यूज

सिरोंज, सिरोंज में 12 जून से 14 जून तक तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया. तीन दिवसीय शिविर के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के करीब 1056 आवेदकों ने विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन सौंपे. जिनमें से 502 आवेदनों का संबंधित विभागों द्वारा निराकरण किया गया. शिविर के अंतिम दिन रविवार को विभागों की विभिन्न योजनांतर्गत स्वीकृत हितलाभ का वितरण भी हितग्राहियों को किया गया.

जानकारी के अनुसार तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर में ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र से नागरिकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से विभागीय अधिकारी, कर्मचारियो तथा जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया. शिविर के अंतिम दिन रविवार को विभिन्न विभागों के 109 आवेदन मिले. जिनमें से 73 आवेदन का मौके पर ही निराकरण किया गया. शिविर में हितलाभ वितरण मे पंचायत विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास के 20 हितग्राही, स्वच्छ भारत मिशन में 18, सामाजिक न्याय विभाग अंतर्गत 25 हितग्राहियो की पेंशन स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया. इसी प्रकार श्रम विभाग में संबल योजनांतर्गत 7 तथा अनुग्रह सहायता के 2 स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए. राजस्व विभाग अंतर्गत 6 जाति प्रमाण पत्र, 13 जन्म प्रमाण पत्र तथा 5 स्थानीय निवास प्रमाण पत्र का वितरण किया गया. महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 लाडली लक्ष्मी योजनांतर्गत स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए. शिविर में नगरपालिका की विभिन्न योजनांतर्गत हितलाभ वितरण किया गया. जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में 12, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनांतर्गत 15, संबल योजनांतर्गत 7 तथा 2 पेंशन स्वीकृति से संबंधित हितलाभ का वितरण किया गया. अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने शिविर के शेष आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के लिए सभी विभाग प्रमुख को निर्देशित किया. तथा निराकरण से संबंधित आवेदनकर्ता को भी सूचित करने के निर्देश दिए.

शिशु मंदिर में पांच दिवसीय आचार्य अभ्यास वर्ग का समापन

नवभारत न्यूज

पठारी. सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित पांच दिवसीय विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के आचार्य अभ्यास वर्ग का समापन समारोह संपन्न हुआ. पांच दिनों तक चले इस वर्ग में शिक्षकों को विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया. समापन अवसर पर अतिथियों ने शिक्षा के साथ संस्कारों और नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला.

समिति के पूर्व अध्यक्ष कमलेश सिंह यादव ने कहा कि बच्चों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी मिलनी चाहिए. उन्होंने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है.प्रेस क्लब अध्यक्ष नेतराम साहू ने अपने संबोधन में कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर देश की प्रमुख शिक्षण संस्थाओं की श्रृंखला है, जिसका संचालन विद्या भारती द्वारा किया जाता है. संस्था का उद्देश्य आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और देशभक्ति के संस्कार विकसित करना है. उन्होंने कहा कि शैक्षणिक, शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य लेकर संस्था कार्य कर रही है.उन्होंने वर्तमान समय की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा और श्रेष्ठ संस्कार देने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करना चाहिए.कार्यक्रम में चेतराम साहू ने भी संस्था द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यों की सराहना की. उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर विद्यार्थियों में संस्कार और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.इस अवसर पर प्राचार्य जय सिंह ठाकुर, नीरज कुर्मी, क्षितिज यादव, सौदा विश्वकर्मा, संध्या वागड़ी, सीता अहिरवार, अनुष्का साहू, आकांक्षा साहू, महक दांगी, पूर्व यादव, महिमा दांगी, गंगा बाई सेन सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा.